शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

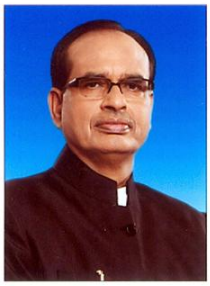

मध्यप्रदेश शासन
भोपाल - 462004

सं.क्र. 119, 16 मार्च, 2018

संदेश

विश्व वानिकी दिवस 21 मार्च पर प्रदेश के सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं। धरती के हरे आवरण के संवर्धन और संरक्षण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की दिव्य शक्तियों में आस्था रखें।

इस अवसर पर सभी जिम्मेदार नागरिक संकल्प लें कि अपने जीवन में कम से कम पाँच पेड़ अवश्य लगाएंगे और उनकी रक्षा करेंगे।

हमारे देश में वृक्षों को देव तुल्य माना गया है। भारतीय संस्कृति में वृक्षों को पूजने की समृद्ध परंपरा है। प्रदेश में जन सहभागिता पर आधारित वानिकी विकास की अनेक गतिविधियां संचालित है। वानिकी को आर्थिक गतिविधि बनाकर वन क्षेत्रों पर निर्भर ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि विश्व वानिकी दिवस पर सभी नागरिक हरियाली को समृद्ध बनाने आगे आएंगे।

शुभकामनाओं सहित।

(शिवराज सिंह चौहान)

डॉ. गौरीशंकर शेजवार
मंत्री
वन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग

बी-10, चार इमली, भोपाल
दूरभाष | मंत्रालय : 0755-2430011
निवास : 0755-2441377
0755-2441081

क्र. 684 /मंत्री/वन, यो.आ.सां.

भोपाल, दिनांक 18.3.2018

संदेश

विश्व वानिकी दिवस
21 मार्च, 2018

पृथ्वी पर जीवन अस्तित्व को बनाए रखने के लिए हरियाली का होना आवश्यक है। विश्व वानिकी दिवस (21 मार्च) हमें इस दिशा में चिन्तन करने का अवसर प्रदान करता है। वन संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के द्वारा हम भावी पीढ़ी का जीवन सुरक्षित रख सकेंगे।

मध्य प्रदेश में वानिकी विकास के साथ ग्राम संसाधन विकास के अनेक नीतिगत निर्णय लिए गए हैं। वनांचलों में रहने वाले ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं तथा बालिकाओं के स्वास्थ्य तथा शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में **"दीनदयाल वनांचल सेवा"** के तहत उल्लेखनीय सफलता मिली है। युवा पीढ़ी को वन तथा वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए अनुभूति कार्यक्रम के तहत इस वर्ष एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ा गया है।

प्रदेश में गत वर्ष 2 जुलाई को नर्मदा नदी के कछार में सात करोड़ से अधिक पौधें एक ही दिन में लगाए गए हैं, जिसमें विभाग द्वारा तीन करोड़ 33 लाख पौधों का रोपण किया गया है। सभी का प्रयास होना चाहिए कि जहां भी पौधे लगाये जायें वे बढ़कर पेड़ बनें। इस दिशा में शासकीय और गैर शासकीय दोनों स्तर पर विशेष ध्यान देने से ही अपेक्षित परिणाम आ सकेंगे।

विश्व वानिकी दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि अपने स्तर पर पेड़ों की सुरक्षा तथा नये क्षेत्रों में पौधारोपण के लिए हम जो भी योगदान दे सकते हैं, वह अवश्य देंगे। मुझे विश्वास है कि विश्व वानिकी दिवस जन साधारण में जागरूकता लाने में सफल रहेगा।

हार्दिक शुभकामनाएं।

गौरीशंकर

(डॉ. गौरीशंकर शेजवार)

सूर्य प्रकाश मीणा
राज्यमंत्री,
मध्यप्रदेश शासन
उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण
(स्वतंत्र प्रभार) एवं वन

ऑफिस : कक्ष क्रमांक 145, प्रथम तल,
वल्लभ भवन, मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2553929
E-mail : suryaprakashmeena787@gmail.com
निवास : सी-16, शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-2559777, 2559963
मोबाईल : 8435090711
जा. क्र./ 70 दिनांक 07/03/18

संदेश

विश्व वानिकी दिवस– 2017

21 मार्च, 2018

विश्व वानिकी दिवस का उद्देश्य वन संस्थानों के महत्व के प्रति जन चेतना जागृत करना है। वनों का आदिकाल से मानव जीवन में विशेष महत्व रहा है। मानव ही नहीं अपितु समस्त प्राणी जगत वनों से अपनी आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिये वन अत्यंत आवश्यक हैं। अतः हम सभी को वृक्षों को जीवन आधार का मूल मानकर उनका संरक्षण करना होगा।

राज्य सरकार द्वारा वनों के विकास के साथ–साथ संरक्षण के लिये अनेक योजनायें कियान्वित की जा रही है। प्रदेश में वनीकरण योजनाओं के अच्छे प्रभाव परिलक्षित हुए हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी इन योजनाओं का लाभ उठायेंगे।

आईये, विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर हम सभी वन विकास तथा संरक्षण में अपना सहयोग देने का संकल्प लें।

हार्दिक शुभकामनाएं।

(सूर्य प्रकाश मीणा)